पत्र सूचना कार्यालय
भारत सरकार
///
63वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति के
राष्ट्र के नाम संदेश के मुख्य बिन्दु
////

23 श्रावण, 1931
नई दिल्ली,---------------------
14 अगस्त, 2009

- लोकतंत्र, समावेशी आर्थिक विकास, समाजिक सशक्तिकरण और हमारी सभ्यतागत धरोहर पर आधारित मूल्य हमारे राष्ट्र के मुख्य निर्माण स्तम्भ हैं।
- प्रत्येक नागरिक के मत का महत्व है और सब को साथ लेकर चलना लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है।
- चुने गए प्रत्येक संसद सदस्य का यह परम कर्तव्य है कि वो लोगों के कल्याण और राष्ट्र की प्रगति के लिए कार्य करे।
- एक प्रभावी प्रशासन प्रणाली की आवश्यकता है जो पारदर्शी और जबावदेह हो।
- लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव के लिए सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना होगा।
- प्रशासको को लोगों की आवश्यकताओं के प्रति सचेत होना चाहिए।
- इस वर्ष सामान्य से कम मानसून से निबटने के लिए सरकार सभी संभव कदम उठा रही है।
- सरकार एच1 एन1 इन्फ्लुएन्जा को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक प्रयास कर रही है।
- राष्ट्र निर्माण और विकास पहलों में नागरिकों को सरकार का साथ देना चाहिए।
- आर्थिक मंदी के दौर में भी हमें अपनी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए कार्य अवश्य करते रहना चाहिए।
- उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अकादमिक संस्थानों और अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर होना चाहिए।

- समाज के गरीब और कमजोर तबकों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसी पहुँच को सशक्त किये जाने की आवश्यकता है।
- बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार विधेयक सार्वभौमिक शिक्षा के उदेश्य को प्राप्त करने के लिए मील का पत्थर है।
- शांति और सौहार्द की संस्कृति भारत का मूल उद्देश्य होना चाहिए। अच्छी परंपराओं और प्रगति के बीच समन्वय होना चाहिए।
- शांतिपूर्ण समाज और शांतिपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए मानव के सामूहिक उद्देश्य के हितों के लिए आतंकवाद को पराजित किया जाना चाहिए।
- साम्प्रदायिक सौहार्द प्रगति की कुंजी है।

0000000000000000000